बहुत दिनों के बाद

बहुत दिनों के बाद
अब की मैंने जी-भर देखी
पकी-सुनहली फसलों की मुसकान
-बहुत दिनों के बाद

बहुत दिनों के बाद
अब की मैं जी-भर सुन पाया
धान कूटती किशोरियों की कोकिल-कंठी तान
-बहुत दिनों के बाद

बहुत दिनों के बाद
अब की मैंने जी-भर सूँघे
मौलसिरी के ढेर-ढेर से ताजे-टटके फूल
-बहुत दिनों के बाद

बहुत दिनों के बाद
अब की मैं जी-भर छू पाया
अपनी गँवई पगडंडी की चंदनवर्णी धूल
-बहुत दिनों के बाद

बहुत दिनों के बाद
अब की मैंने जी-भर तालमखाना खाया
गन्ने चूसे जी-भर
-बहुत दिनों के बाद

बहुत दिनों के बाद
अब की मैंने जी-भर भोगे
गंध-रूप-रस-शब्द-स्पर्श सब साथ-साथ इस भू पर
-बहुत दिनों के बाद

अभ्यास

कविता के साथ

1. बहुत दिनों के बाद कवि ने क्या देखा और क्या सुना ?
2. कवि ने अपने गाँव की धूल को क्या कहा है ? और क्यों ?
3. कविता में 'बहुत दिनों के बाद' पंक्ति बार-बार आई है । इसका क्या औचित्य है ? इसका महत्त्व बताएँ ।
4. पूरी कविता में कवि अत्यंत उल्लसित है । इसका क्या कारण है ?
5. "अब की मैंने जी-भर भोगे
   गंध-रूप-रस-शब्द-स्पर्श सब साथ-साथ इस भू पर"
   इन पंक्तियों का मर्म उद्घाटित करें ।
6. इस कविता में ग्रामीण परिवेश का कैसा चित्र उभरता है ?
7. 'धान कूटती किशोरियों की कोकिल-कंठी तान' में जो सौंदर्य चेतना दिखलाई पड़ती है, उसे स्पष्ट करें ।
8. कविता में जिन क्रियाओं का उल्लेख है वे सभी सकर्मक क्रियाएँ हैं । सकर्मक क्रियाओं का सुनियोजित प्रयोग कवि ने क्यों किया है ?
9. कविता के हर बंद में एक-एक ऐंद्रिय अनुभव का जिक्र है और अंतिम बंद में उन सबका सार-समवेत कथन है । कैसे ? इसे रेखांकित करें ।

कविता के आस-पास

1. तालमखाना खाने और गन्ना चूसने में कवि को मिले आनंद की कल्पना कीजिए और उसे अपने शब्दों में लिखिए ।
2. कविता में धान कूटने का उल्लेख है, धान की बुआई-कटाई-सिंचाई के बारे में जानकारी प्राप्त करें । इसकी प्रमुख किस्मों के नाम भी मालूम करें ।
3. किसान जीवन से लोकगीतों का अटूट संबंध है । फसलों की कटाई के समय गाए जाने वाले किन्हीं दो गीतों का संग्रह करें और उन्हें कक्षा में सुनाएँ ।
4. नागार्जुन की कविताओं में प्रकृति को महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त है । उनकी चर्चित कविता 'बादल को घिरते देखा है' उपलब्ध करें और विद्यालय की काव्य गोष्ठी में उसका सस्वर पाठ करें ।
5. नागार्जुन एक घुमक्कड़ कवि के रूप में जाने जाते थे । आप अपने शिक्षक से इस विषय में जानकारी प्राप्त करें और उस पर चर्चा करें ।
6. नागार्जुन को 'आधुनिक कबीर' क्यों कहा जाता है ?
7. नागार्जुन को किन कारणों से राहुल सांकृत्यायन के साथ जोड़कर देखा जाता है ? अपने शिक्षक से इस

यहाँ प्रस्तुत सॉनेट उनके प्रसिद्ध संकलन 'दिगंत' से संकलित है । शीर्षक के अनुरूप इसमें वे उर्दू के महान कवि 'मिर्जा ग़ालिब' को 'अपनों से अपना' कहते हुए हिंदी जनता का जातीय कवि बताते हैं । यहाँ गालिब का अंकन ऐसी सरलता, सादगी और ठेठपन से किया गया है कि उनकी शबीह में नैसर्गिक अपनापे के साथ पूरी परंपरा का अक्स झाँकता है । तत्त्वत: वही और एक ही, अक्षर में अक्षर की महिमा जोड़ने वाला जीवन का साधक कवि है हमारा, क्या हिंदी, क्या उर्दू ।

◆ ◆ ◆

1.
शब्द का परिष्कार
स्वयं दिशा है
वही मेरी आत्मा हो
आधी दूर तक
तब भी
तू बहुत दूर है बहुत आगे
त्रिलोचन !

2.
ओ
शक्ति के साधक अर्थ के साधक
तू धरती को दोनों ओर से
थामे हुए और
आँख मीचे हुए ऐसे ही सूँघ रहा है उसे
जाने कब से ।

3.
तुझे केवल मैं जानता हूँ ।

(सारनाथ की एक शाम : त्रिलोचन के लिए)
–शमशेर बहादुर सिंह